

# रिसर्च स्कॉलर्स के लिए खुला लखनऊ विश्वविद्यालय, अब पीजी के छात्रों को बुलाने की तैयारी छह माह बाद शोध कार्य में जुटे शोधार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। छह महीने की लंबी बंदी के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थी सोमवार को अपने-अपने विभाग पहुंचे। कोविड-19 की वजह से लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के आने पर पूरी तरह से रोक लगी थी। विश्वविद्यालय ने फिलहाल सिर्फ रिसर्च स्कॉलर्स को ही आने अनुमति दी है। अगले चरण में लेब, लाइब्रेरी और गाइडेंस के लिए परास्नातक विद्यार्थियों को बुलाने की तैयारी है।

कोरोना महामारी की वजह से विद्यार्थियों विशेषकर शोधार्थियों की पढ़ाई काफी बाधित हो रही है। विज्ञान संकाय के शोधार्थियों को प्रयोगशाला ना मिलने की वजह से काफी समस्या हो रही थी और उनका शोध कार्य प्रभावित हो रहा था। यूजीसी ने इस समस्या को देखते हुए शोधार्थियों को थिसिस जमा करने के लिए निर्धारित अधिकतम समय में छूट देने का पहला ही प्रावधान कर दिया है। शोध कार्य



लविवि के जूलॉजी विभाग में पहुंचे शोधार्थियों ने शुरू किया काम।

## ■ स्नातक स्तर पर आज 50 फीसदी विद्यार्थियों को बुलाने की योजना

लखनऊ विवि ने जो योजना बनाई है उसके अनुसार स्नातक स्तर पर एक दिन में सिर्फ 50 फीसदी विद्यार्थियों को ही बुलाया जाएगा। हालांकि इसके लिए भी गाइडलाइन जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। सरकार ने माध्यमिक स्तर की विद्यालय 19 अक्टूबर से खोलने की मंजूरी दे दी है। इसको देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि जल्द ही उच्च शिक्षण संस्थान भी खोले जाएंगे।

मानव संसाधन मंत्रालय से शोधार्थियों को विभाग बुलाने की अनुमति मिल चुकी है। इसके आधार पर उन्हें विभाग आने की अनुमति दी गई है। अब वे लेब में आकर अपना काम कर सकेंगे। अगले चरण में परास्नातक और स्नातक विद्यार्थियों को बुलाने की भी कार्य योजना तैयार हो चुकी है। सरकार से निर्देश मिलते ही शुरुआत हो जाएगी।  
- दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय

## परास्नातक के लिए निर्देश का इंतजार

लखनऊ विश्वविद्यालय अनलॉक-5 के तहत जो रूपरेखा तैयार की है उसमें शोधार्थियों के बाद अगले चरण में परास्नातक विद्यार्थियों को बुलाने की तैयारी है। हालांकि परास्नातक विद्यार्थियों की नियमित क्लास नहीं होगी। इसके बजाय उन्हें लेब, लाइब्रेरी और शिक्षकों से गाइडेंस की अनुमति होगी। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार इसकी तारीख सरकार या यूजीसी द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर तय की जाएगी।

## पीएचडी स्टूडेंट्स 15 से आएंगे एल्यू

LUCKNOW(12 Oct inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी पीजी स्टूडेंट्स व पीएचडी स्कॉलर्स के लिए यूनिवर्सिटी खोलने की तैयारी पूरी कर चुकी है। एल्यू ने परिसर खोलने को लेकर कोविड 19 के दृष्टिगत स्टूडेंट्स के लिए कई नियम बनाए हैं। जिनको स्टूडेंट्स व स्कॉलर्स को फॉलो करना होगा। साथ ही हॉस्टल में रहने वाले स्टूडेंट्स के लिए अलग से निर्देश बनाए हैं। चीफ प्रॉक्टर डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि 15 अक्टूबर को सभी पीएचडी स्टूडेंट्स को कैम्पस में बुलाया जाएगा। वहीं पीजी स्टूडेंट्स को दशहरा बाद फिलिप मोड में कैम्पस आना होगा। बाकि निर्णय शासन के निर्देश के बाद लिया जाएगा। वहीं पीएचडी कोर्सेस में ईडब्ल्यूएस कोटे की सीटों पर एडमिशन के लिए कई विभागों के स्टूडेंट्स लगातार चक्कर काट रहे हैं।

## परास्नातक प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 1617 परीक्षार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश परीक्षा में सोमवार को 1617 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा बी.लिब, मास्टर्स पब्लिक हेल्थ, कम्प्यूनिटी मेडिसिन, एमकॉम अप्लाइड इ को नॉ मि क स, एमएससी केमिस्ट्री, फा म र्स यू टि क ल केमिस्ट्री, एमकॉम कॉमर्स और एमए स्टेट में प्रवेश के लिए आयोजित की गई। पब्लिक हेल्थ में 220 में से 113, बी.लिब में 110 में से 58, एप्लाइड इकोनॉमिक्स में 403 में से 277, एमएससी केमिस्ट्री में 658 में से 347, एमए स्टेट में 167 में से 110 तथा एमकॉम कॉमर्स में 1184 में से 718 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में मंगलवार को सुबह 10:00 से 11:30 तक एमए क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन, एमए इकोनॉमिक्स, एमए



एआईएच, कंपोजिट हिस्ट्री, वेस्टर्न हिस्ट्री, एमएससी जियोलॉजी, बीपीएड, एमपीएड तथा दोपहर 2:00 से 3:30 तक एमए होम साइंस, एमएससी बॉटनी, प्लांट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी फिजिक्स, रिन्यूबल

एनर्जी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। परीक्षा में बहुविकल्पीय आधारित 100 प्रश्न होंगे। प्रवेश परीक्षा 17 अक्टूबर तक होनी है।  
14 को होने वाली परीक्षा: सुबह 10:00 से 11:30 तक एमए एआईएच एंड आर्कियोलॉजी, एमए इंग्लिश, एमए यौगिक साइंस, एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी तथा दोपहर 2:00 से 3:30 तक एमए हिंदी, मास्टर्स सोशल वर्क, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की प्रवेश परीक्षा होगी।

## LU reopens for PhD, gets 90% attendance

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University research scholars came up with the 'to do list' on the first day of the reopening of the varsity only for PhD students on Monday.

A few carried out experiments that have been pending for seven months while others were busy cleaning the apparatus and took care of live animals, preserved animals and slides in the laboratory.

Happy with attendance, Prof KC Pandey said, "On the first day of reopening, research scholars submitted thesis and the attendance was 90%."

"Covid-19 period has taught me that science never stops. Yes, I had problems in performing practicals as I work on live birds, but I utilized the time in writing the paper. On the first day, my priori-

ty was re-organizing the research and lab work," research fellow Pragya Verma of the zoology department said.

Scholars in chemistry and physics departments were found busy in performing experiments halted for almost half a year.

"I was working on a project regarding the study of amino acids in space which was left incomplete due to the closure since we don't have hitech computers and software at home," said PhD scholar Keshav Kumar Singh of physics.

Humanities and commerce students got their progress reports and attendance signed.

"We have to submit our research progress report from time to time, but it was pending for long due to Covid. The first thing we did was the submission of the report to our guides," said PhD student Zia Jafri.



TOI PAGE 3